गीडा में धरातल पर उतरा 5000 करोड़ रुपये का निवेश

तैयारी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। उद्योग विभाग फरवरी के अंत या फिर मार्च में लखनऊ में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारियों में जुट गया है। गीडा के साथ ही 23 विभाग लक्ष्य को पूरा करने की कवायद में जुटे हुए हैं।

उद्योग विभाग ने गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के साथ ही 23 अन्य सरकारी विभागों के लिए 7000 करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारने का लक्ष्य निर्धारित किया था। अभी तक 5000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है।

उद्योग विभाग द्वारा सर्वाधिक लक्ष्य जीडीए को दिया गया था। प्राधिकरण 3500 करोड़ रुपये के निवेश लक्ष्य के सापेक्ष अभी तक 1860 करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारने में सफल रहा है।

निवेश के मामले में आबकारी विभाग ने रिकॉर्ड कायम किया है। 300 करोड़ रुपये निवेश के लक्ष्य के सापेक्ष आबकारी विभाग 2700 करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतारने में सफल रहा है। इसमें धुरियापार में स्थापित होने वाली केयान ग्रुप की डिस्टलरी यूनिट शामिल है।

वहीं ग्रुप गीडा क्षेत्र में अंग्रेजी शराब के उत्पादन की तैयारी में है। उद्यान विभाग 50 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष 5 करोड़ तो थकरघा विभाग 30 करोड़ के सापेक्ष 12 करोड़ का निवेश धरातल पर उतारने में सफल रहा है। पर्यटन विभाग 2100 करोड़ के निवेश लक्ष्य के सापेक्ष सिर्फ 7 करोड़ का निवेश कराने में सफल रहा है।

- 7000 करोड़ का है लक्ष्य निर्धारित किया गया है सरकारी विभागों के लिए
- आबकारी विभाग ने 300 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष कराया 2700 करोड़ का निवेश

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। 7000 करोड़ के निवेश लक्ष्य के सापेक्ष 5000 करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है। गीडा के प्रयासों से अच्छा निवेश हुआ है। सभी विभागों द्वारा किए गए प्रयासों से ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में लक्ष्य से अधिक की उपलब्धि हासिल की जाएगी।

-रोशन अंबेडकर, असिस्टेंट कमिश्नर, उद्योग

16 विभाग निवेश कराने में असफल साबित हुए

उद्योग विभाग ने जिन 23 विभागों के लिए निवेश लक्ष्य निर्धारित किया था, उनमें 16 विभाग एक रुपये भी निवेश नहीं करा सके हैं। शून्य निवेश कराने वाले विभागों में अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग, सहकारिता विभाग, सूचना विभाग, मत्स्य विभाग, खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, चिकित्सा चिकित्सा विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग, यूपीसीडा विभाग, पशु चिकित्सा विभाग प्रमुख है।